30/12/19

पत्रावली पेश हुई पत्रावली पर आपत्ति
लगवाई गई नहीं बारी एक बारी की
ओर से कोई अधिवक्ता आपत्ति अथवा
बार बार अवाज लगाई गई ऐसी
स्थिति में रवा न लेना कोई औचित्य
प्रतीत नहीं होता है अतः रवा रकम
हाजरी रकम पेशी में वादिनी
से पंजाता है पत्रावली के फल
सुनाई होकर नस्ल निकाल दी एक शपथ
रखकर दी है

Signature Not Verified
Digitally signed by Brajesh Kumar Mangal
Date: 2020.01.10 12:42:42 IST
Reason: SelfAttested